नेपाल की राजनीतिक व्यवस्था का विकास एक लंबी और जटिल प्रक्रिया रही है, जिसमें राजशाही, प्रजातंत्र, सत्तावादी शासन और संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य तक के चरण शामिल हैं। इसे मुख्य रूप से निम्नलिखित चरणों में विभाजित किया जा सकता है:

---

1. प्राचीन काल और प्रारंभिक राज्य (ईसा पूर्व – 1768)

नेपाल का प्रारंभिक इतिहास विभिन्न छोटे-छोटे राज्यों और गणराज्यों का रहा है। इस दौरान कई महत्वपूर्ण राजवंशों का उदय हुआ:

- किरात वंश (लगभग **800** ईसा पूर्व **– 300** ईसा पश्चात): यह नेपाल का प्राचीनतम ज्ञात राजवंश था।
- लिच्छवि वंश (लगभग **400 – 750** ईस्वी): इस काल में नेपाल में संस्कृति, कला, धर्म और व्यापार का विकास हुआ।
- मल्ल वंश (लगभग **1200 – 1768**): इस दौरान नेपाल कई छोटे राज्यों में विभाजित था, जिनमें काठमांडू, भक्तपुर और पाटन प्रमुख थे।

---

2. शाह वंश और एकीकृत नेपाल (1768 – 1846)

- गोरखा के राजा पृथ्वीनारायण शाह ने 1768 में काठमांडू पर अधिकार कर नेपाल को एकीकृत किया और आधुनिक नेपाल की नींव रखी।
- नेपाल का विस्तार उत्तर भारत और तिब्बत तक हुआ, लेकिन 1814-16 के अंग्रेज-नेपाल युद्ध (गोरखा युद्ध) में नेपाल को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से पराजय का सामना करना पड़ा और सुगौली संधि (1816) के तहत नेपाल को अपने कई भू-भाग ब्रिटिश भारत को सौंपने पड़े।

---

3. राणा शासन (1846 – 1951)

- **1846** में जंग बहादुर राणा ने कोत पर्व घटना के बाद सत्ता हथिया ली और राणा वंश के शासन की स्थापना हुई।
- यह एक निरंकुश और वंशानुगत प्रधान मंत्री प्रणाली थी, जिसमें राजा केवल नाममात्र का था और संपूर्ण सत्ता राणा शासकों के हाथ में थी।
- इस दौरान नेपाल ने ब्रिटिश भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए और द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटेन को सैनिक सहायता दी।
- **1950-51** में राजशाही समर्थकों और जनता के दबाव में राणा शासन समाप्त हुआ और नेपाल में संवैधानिक राजतंत्र की शुरुआत हुई।

---

4. संवैधानिक राजतंत्र और लोकतांत्रिक संघर्ष (1951 – 2008)

- 1951 में नेपाल में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुरुआत हुई और राजा त्रिभुवन की सत्ता बहाल हुई।
- 1960 में राजा महेंद्र ने लोकतांत्रिक सरकार को भंग कर दिया और पंचायती शासन प्रणाली **(1960-1990)** लागू की, जिसमें राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध लगा दिया गया।
- 1990 में व्यापक जन आंदोलन के बाद बहुदलीय लोकतंत्र बहाल हुआ और एक संवैधानिक राजतंत्र स्थापित हुआ।

---

5. नेपाल का गृहयुद्ध और गणराज्य की स्थापना (1996 – 2008)

- **1996** में माओवादी विद्रोह शुरू हुआ, जिसने नेपाल में दस वर्षों तक गृहयुद्ध की स्थिति बना दी।
- 2001 में नेपाल के शाही परिवार की हत्या **(**नरसंहार**)** हुई, जिसमें राजा बिरेंद्र और उनका पूरा परिवार मारा गया।
- 2005 में राजा ज्ञानेन्द्र ने फिर से पूर्ण सत्ता अपने हाथ में ले ली, लेकिन 2006 में हुए जन आंदोलन के बाद उन्हें सत्ता छोड़नी पड़ी।
- **2008** में नेपाल को औपचारिक रूप से **"**संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य**"** घोषित किया गया और 240 वर्षों से चली आ रही राजशाही समाप्त कर दी गई।

---

6. वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था (2008 – वर्तमान)

- संविधान **2015:** नेपाल ने 2015 में नया संविधान अपनाया, जिसके तहत इसे संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया।
- नेपाल में सात प्रांतों वाली संघीय प्रणाली लागू की गई।
- संविधान के अनुसार**,** नेपाल एक धर्मनिरपेक्ष**,** लोकतांत्रिक और समाजवादी राज्य है।
- प्रमुख राजनीतिक दल:
    - नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी **(NCP)**
    - नेपाली कांग्रेस **(NC)**
    - माओवादी दल **(CPN-M)**
- वर्तमान में नेपाल की राजनीति अस्थिर बनी हुई है, और बार-बार सरकारों का गठन और विघटन होता रहता है।

निष्कर्ष

नेपाल का राजनीतिक सफर राजशाही से गणराज्य तक का रहा है, जिसमें कई उतार-चढ़ाव आए। वर्तमान में यह एक लोकतांत्रिक गणराज्य है, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता और बार-बार सरकारों के परिवर्तन की समस्या अभी भी बनी हुई है।